भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 629

सोमवार, 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

संतकबीर के निर्वाण स्थान का विकास

629. श्री विजय कुमार दुबे:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सूफी संत कबीर का निर्वाण स्थान संत कबीर नगर जिले के मगहर में स्थित है;

(ख) क्या कबीर चौराहा परिसर, जिसमें उनकी मजार के साथ-साथ समाधि भी है, 27 एकड़ भूमि में फैला हुआ है;

(ग) क्या यह सभी धर्मों के लोगों के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है;

(घ) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु इसे "अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल" के रूप में विकसित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या उत्तर प्रदेश का कुशीनगर जिला भगवान बुद्ध का "महापरिनिर्वाण स्थल" होने के कारण एक बौद्ध सर्किट क्षेत्र है; और

(च) क्या मंत्रालय का अति महत्वपूर्ण बौद्ध सर्किट क्षेत्र को पर्यटन और दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): सूफी संत कबीर का निर्वाण स्थान संत कबीर नगर जिले के 'मगहर' में स्थित है और सभी धर्मों के लोगों के लिए श्रद्धा का केन्द्र है। भूमि से संबंधित रिकॉर्डों का रखरखाव और पर्यटन का विकास मुख्य रूप से संबंधित जिला प्रशासन और राज्य सरकार का उत्तरदायित्व है। तथापि पर्यटन मंत्रालय ने देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए अपनी स्वदेश दर्शन योजना के भाग के रूप में चिह्नित थीमों के अन्तर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान की। इस योजना के तहत वर्ष 2016-17 में स्वीकृत 'कलिंजार किला (बांदा)- मगहर धाम (संत कबीर नगर)- चौरी-चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर)-मोहर स्थल (घोसी)-शहीद स्मारक (मेरठ) में विरासत परिपथ का विकास' सहित

उत्तर प्रदेश में कुल 8 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई थी। इस परियोजना में 17.75 करोड़ रु. की राशि से मगहर धाम में घाट का विकास, व्याख्या केन्द्र का विकास, प्रदर्शनी केन्द्र और गैलरी, ध्वनि एवं प्रकाश शो, केफेटेरिया, ग़ज़िबो, पार्क का विकास आदि जैसे विभिन्न घटक शामिल थे।

(ड.) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए चयनित थीमों में से एक के रूप में बौद्ध परिपथ को चिह्नित किया और वर्ष 2016-17 में 87.89 करोड़ रु. की राशि से उत्तर प्रदेश राज्य में 'श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास' सहित देश में 319.01 करोड़ रु. से कुल 5 परियोजनाओं को स्वीकृति दी। क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुशीनगर में एक अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे का उद्घाटन भी किया गया है।

******